सोभित कर नवनीत लिए

सोभित कर नवनीत लिए।

घुटुरुनि चलत रेनु तन-मंडित, मुख दधि लेप किये।

चारू कपोल, लोल लोचन, गोरोचन-तिलक दिये।

लट-लटकनि मनु मधुप-गन मादक मधूहिं पिए।

कठुला-कंठ, ब्रज केहरि-नख, राजत रुचिर हिए।

धन्य सूर एकौ पल इहिं सुख, का सत कल्प जिए॥

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/168/title/sobhit-kar-navneet-liye

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |